Q.P. code 79442 (4)

(1) 'सार कुंजी'

प्रश्न । निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भसहित व्याख्या । 27

(अ) "बलिहारी गुर आपणों द्यौं‍हाड़ी कै बार"

मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य संपादक - हिंदी अध्ययन मंडल मुंबई — कबीर के दोहे — गुरु का महत्व

अथवा

"अनोखे, बच्चे, बूढ़े या जवान सभी अपना अपना अटकल लगाते हैं।"

मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य — संपादक हिंदी अध्ययन मंडल मुंबई — आजकल लड़ाई का जमाना है — त्रिलोचन — देश की सच्ची स्थिति एवं लोगों की मानसिकता का चित्रण।

(आ) "जीवन का मधुमय उल्लास और यौवन का हास विलास"

— परशुराम की प्रतीक्षा - रामधारीसिंह 'दिनकर' आत्मत्याग वर्णन।

अथवा

"है एक हाथ में परशु, एक में कुश है।"

परशुराम की ~~प्रति~~ प्रतीक्षा - रामधारी सिंह दिनकर

परशुराम में ब्रह्म और क्षात्र का ~~का~~ सम्मिश्रण।

कवि गांधीवादी हैं —

२ "हम एक इशारा है दो भिन्न दिशाओं में"

कुँवर नारायण — प्रतिनिधि कविताएँ

'घर रहेगा' कविता — मानसिकता का चित्रण।

अथवा

"क्या हम उसी तरह बिकते रहेंगे बाजारों में"

प्रतिनिधि कविताएँ — कुँवर नारायण।

'क्या वह नहीं होगा' —

कवि मनुष्य में परिवर्तन लाना चाहता है —

प्रश्न 5 निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए

(1) निर्गुण भक्ति धारा के प्रवर्तक — कबीर

(2) पार्वती मंगल रचना — तुलसीदास

(3) बिहारीजी की भाषा — साहित्यिक ब्रजभाषा

(4) एक छोटा सा अनुरोध — केदारनाथ सिंह

(5) नदी और साबुन — ज्ञानेंद्रपति

(6) सरकारी कोयल — उदय प्रकाश

(7) कवि दिनकर का पूरा नाम — रामधारी सिंह दिनकर

(8) सूरदास की दो रचनाएं — सूरसागर साहित्यलहरी सूर सारावली

(9) 'परशुराम की प्रतीक्षा' — रामधारी सिंह दिनकर

(10) 'बाजारों की तरफ' — कुँवर नारायण